आसव अरिष्ट कल्पना के द्वारा औषधियों का संरक्षण

Dr. Sahdev Arya
Ex.Professor NIA Jaiur

- आयुर्वेद उपचार की एक प्रणाली है जो प्राचीन भारत में उत्पन्न हुई और हजारों वर्षों से प्रचलित है।
- आयुर्वेद को **"जीवन जीने का ज्ञान"** या **"दीर्घायु का विज्ञान"** के रूप में परिभाषित किया गया है।
- आयुर- का अर्थ है जीवन या जीना
- वेद- अर्थात ज्ञान

औषधियों की अवस्थाएं–

- **ठोस**- वाटिका, गोलियाँ, गुटिका
- **अर्ध-ठोस** - अवलेह, पाका, लेपा, घृत
- **द्रव** - अरिष्ट, आसव, तैल, अर्क
- वे अल्कोहलिक औषधियाँ हैं जिनमें अल्कोहल किण्वन प्रक्रिया के माध्यम से स्वयं उत्पन्न होता है।
- आसव पारंपरिक आयुर्वेदिक प्रणाली का हाइड्रोअल्कोहलिक तरल रूप है। विभिन्न प्रकार की बीमारियों और स्थितियों के लिए अरिष्ट या आसव उपचार का सुझाव दिया जाता है।
- किण्वन से गुजरने के लिए एक विशिष्ट अवधि के लिए चीनी या गुड़ के घोल में दवा को पाउडर के रूप में या काढ़े के रूप में भिगोकर संसाधित किया जाता है।

आसव और अरिष्ट

- आसव ताजी सूखी जड़ी-बूटियों से तैयार किया जाता है।
- अरिष्ट को सूखी औषधीय जड़ी बूटियों के काढ़े से तैयार किया जाता है

आसव अरिष्ट का संरक्षण

- आसव ,अरिष्ट ,लौह आदि धातुओं की भस्म और रसौषधि जितने पुराने होते हैं उतने ही अधिक गुणवान होते हैं
- आसव ,अरिष्ट निर्माण मैं काल और काल प्रकर्ष(चिरकाल)के प्रभाव से गुणों में वृद्धि होती है
- आसव ,अरिष्ट मैं अल्कोहल का निर्माण होता है जो अपने आप मैं preservative होता है
- संधान हेतु –40% शुगर , यीस्ट , धातकी पुष्पः का उपयोग करते है

निर्माण विधि

- सूत्र में उल्लिखित मुख्य जड़ी-बूटियाँ।
- किण्वन के लिए कार्बोहाइड्रेट (चीनी) का स्रोत आवश्यक है। (गन्ने/गुड़/शहद)
- किण्वन आरंभकर्ता किण्वन शुरू करने के लिए इनोकुलम प्रदान करता है। (यीस्ट का इनोकुलम वुडफोर्डिया फ्रुटिकोसा (धातकी फूल) से आता है, जिसमें यीस्ट-सैक्रोमाइसेस एसपीपी की जंगली प्रजातियां शामिल हैं।)
- स्वाद बढ़ाने वाले एजेंट।

फार्मूला में उल्लिखित कच्ची औषधियां पाउडर औषधि/ आसव
अरिष्ट चूर्ण औषधि चूर्ण का काढ़ा किण्वन पात्र में स्थानांतरित

चीनी, गुड़ या शहद का घोल मिलाया जाता है (घुलने के लिए गर्म किया जाता है)

किण्वन के लिए धातकी पुष्प (वुडफोर्डिया फ्रुटिकोसा) मिलाया जाता है

स्वाद एजेंटों को जोड़ना

मिट्टी के ढक्कन को सीलबंद किनारों को मिट्टी से सने कपड़े से बंद करें

लगातार तापमान पर किण्वित किया जाता है (हवा के अधिक संचार के बिना एक अंधेरी जगह में 1 से 3 महीने तक)

द्रव को निथार कर फ़िल्टर करना

बोतल में भरा कर सील करना

Maharishi Ayurveda
ARJUNARISHTA
अर्जुनारिष्ट
450 ml
Maharishi Ayurveda
DRAKSHASAVA
द्राक्षासव
Maharishi Ayurveda
ASHOKARISTHA
अशोकारिष्ट
450 ml

- किण्वन प्रक्रियाकिण्वन पात्र को एक महीने तक बिना किसी व्यवधान के छोड़ दिया जाता है और फिर खोल दिया जाता है
- वर्षा ऋतु और वसंत ऋतु के दौरान 8 दिनों में
- सर्दियों में 10 दिन लग जाते हैं
- गर्मी के मौसम में किण्वन 6 दिनों में होता है
- दवा को फ़िल्टर करके उपयोग के लिए लिया जाता है

- आसव/अरिष्ट के गुणस्पष्ट होना चाहिए.
- कोई झाग उत्पन्न नहीं होना चाहिए.
- खट्टा नहीं होना चाहिए.
- इसमें विशिष्ट, सुगंधित और मादक गंध है।
- वे मध्यम रूप से अल्कोहलिक (मात्रा के हिसाब से 12% तक) होते हैं और हल्की अम्लता और मनभावन सुगंध के साथ ज्यादातर मीठे होते हैं।
- शेल्फ जीवन: लंबे समय तक भंडारणभंडारण की स्थिति- एयर टाइट कंटेनर में संग्रहित किया जाना चाहिए, संकीर्ण मुँह, ठंडी जगह पर, धूप से दूर

बाज़ार में उपलब्ध औषधियाँ –

दशमूलारिष्ट, मधुकसव, द्रक्षारिष्ट, पुनर्नवासव, चंदनासव, अशोकारिष्ट

विवरण - रंग, गंध, स्वाद

PH– 3-4

परिणाम मेथनॉल और उच्च अल्कोहल के लिए परीक्षण TLC प्रोफाइल/GC प्रोफाइल

- जिसके दौरान किसी भी दवा का वीर्य या शक्ति पर्यावरण या माइक्रोबियल गिरावट के कारण अप्रभावित रहती है।

- शेल्फ जीवन: - उस समय अवधि को इंगित करने के लिए उपयोग किया जाता है जिसके दौरान एक API (सक्रिय फार्मास्युटिकल इनग्रेडिएंट) या FPP (तैयार फार्मास्युटिकल उत्पाद) को अनुमोदित स्थिरता विनिर्देश के भीतर रहने की उम्मीद है, बशर्ते कि इसे कंटेनर लेबल पर परिभाषित शर्तों के तहत संग्रहीत किया गया हो

प्रभावित करने वाले कारक –

- 1. नशीली दवाओं में मिलावट
- 2. नशीली दवाओं के प्रतिस्थापन

प्राकृतिक कारक –

- 1. समय
- 2. पर्यावरणीय कारक

फॉर्मूलेशन की शेल्फ लाइफ –

1. तैयारी की विधि 2. पैकिंग 3. भंडारण

शारंगधर के अनुसार -

- चूर्ण - 2 महीने
- तैल और घृत - 6 महीने
- गुटिका एवं लेह -- 12 माह
- लघु पाक औषधियाँ - 12 महीने
- आसव, अरिष्ट - अनिश्चितकालीन/दीर्घकालिक
  (According A.F.I. –10 Year)

आसव और अरिष्ट की शेल्फ लाइफ:-

ख़राब होने के प्रति प्रतिरोधी

- 1. किण्वन द्वारा स्टार्च सामग्री को हटाना।
- 2. स्वनिर्मित अल्कोहल की उपस्थिति
- पर्याप्त तापमान रखरखाव (30-35) कवक के विकास को अधिकतम सीमा तक रोकने के लिए धातकी पुष्प का क्वाथ या हिमा मिलाएं।
- ध्यान दें- अल्कोहल - बेंजाइल अल्कोहल, फिनाइल अल्कोहल, क्लोरोबुटानो

धन्यवाद
shutterstock.com · 2097596689